No. of Printed Pages : 7

IBO–04

POST GRADUATE DIPLOMA IN INTERNATIONAL BUSINESS OPERATIONS/MASTER OF COMMERCE (PGDIBO/M. COM.)

Term-End Examination

December, 2025

IBO-04 : EXPORT-IMPORT PROCEDURES AND DOCUMENTATION

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

Note : *Answer both the Parts : Part A and Part B. Part A is compulsory.*

Part—A

1. Comment on any *four* of the following : 4×5=20

   (a) Imports must be financed by additional export earnings.

(b) Agricultural and Processed Food Products Export Development Authority (APEDA) does not provide financial assistance.

(c) Credit risk is less in export transactions.

(d) Indian importers may file Advance Bill of Entry.

(e) All export documents are needed only in compliance with government regulations. If the government regulations are withdrawn, no document will be needed.

Part—B

Note : *Answer any* ***four*** *questions.*

2. (a) What are the advantages of 'arbitration' over 'litigation' as a method of dispute settlement in international trade ? Explain giving illustrations. 10

(b) Describe various International Contract Terms (INCOTERMS). 10

3. Make a flow chart of processing an export order from its examination upto shipment step. Discuss any *four* steps in detail. 20

4. Write short notes on any *two* of the following : 10+10

   (a) Shipping Bill

   (b) Forward Exchange Cover

   (c) Certificate of Origin

   (d) Deemed Exports

5. Why is import finance required ? Explain various methods of import finance. 20

6. Why is customs clearance required ? Describe in detail the procedures and related documentation involved in custom clearance of export cargo by sea. 20

7. (a) Define Bill of Lading and explain its role in export-import trade. 10

   (b) What are the different types of Bill of Lading ? Explain briefly each of them. 10

IBO–04

अन्तर्राष्ट्रीय व्यवसाय प्रचालन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा/वाणिज्य में स्नातकोत्तर उपाधि (पी. जी. डी. आई. बी. ओ./एम. कॉम.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2025

आई.बी.ओ.-04 : निर्यात-आयात प्रक्रियाएँ और प्रलेखीकरण

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *खण्ड 'अ' तथा खण्ड 'ब' दोनों के उत्तर दीजिए। खण्ड 'अ' अनिवार्य है।*

खण्ड—अ

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** पर टिप्पणी कीजिए :

$4 \times 5 = 20$

(क) आयात को अतिरिक्त निर्यात आय से वित्तपोषित किया जाना चाहिए।

(ख) कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) वित्तीय सहायता प्रदान नहीं करता है।

(ग) निर्यात लेन-देन में ऋण जोखिम कम होता है।

(घ) भारतीय आयातक अग्रिम बिल दाखिल कर सकते हैं।

(ङ) सभी निर्यात दस्तावेज केवल सरकारी नियमों के अनुपालन में आवश्यक हैं। यदि सरकारी नियम वापस ले लिए गए, तो किसी दस्तावेज की आवश्यकता नहीं होगी।

खण्ड—ब

नोट : *किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

2. (अ) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में विवाद निपटान की एक विधि के रूप में 'मुकदमेबाजी' की तुलना में 'मध्यस्थता' के क्या लाभ हैं ? उदाहरण देकर समझाइए। 10

(ब) विभिन्न अन्तर्राष्ट्रीय अनुबंध शर्तों (INCOTERMS) का वर्णन कीजिए। 10

3. किसी निर्यात आदेश के परीक्षण से लेकर जहाजी चरण तक के प्रसंस्करण का एक प्रवाह चार्ट बनाइए। किन्हीं **चार** चरणों पर विस्तार से चर्चा कीजिए। 20

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : 10+10

(अ) जहाजी बिल

(ब) फॉरवर्ड एक्सचेंज कवर

(स) उद्‌गम प्रमाण–पत्र

(द) समझा गया निर्यात

5. आयात वित्त की आवश्यकता क्यों है ? आयात वित्त के विभिन्न तरीकों की व्याख्या कीजिए। 20

6. सीमा शुल्क निकासी की आवश्यकता क्यों है ? समुद्र द्वारा निर्यात कार्गो की सीमा शुल्क निकासी में शामिल प्रक्रियाओं और सम्बन्धित दस्तावेजों का विस्तार से वर्णन कीजिए। 20

7. (अ) लदान के बिल को परिभाषित कीजिए और निर्यात-आयात व्यापार में इसकी भूमिका की व्याख्या कीजिए। 10

(ब) लदान बिल के विभिन्न प्रकार क्या हैं ? उनमें से प्रत्येक को संक्षेप में समझाइए। 10

× × × × ×